

DPN 6951

# बौद्ध स्तोत्र BAUDDHA STOTRA

Title :

Run. No. 7676

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र Hymn

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 6.5 x 17.8

Folios 16

Lines ( in a page ) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor फणीन्द्रल बज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place Phamindra Ratna

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Bajracharya.

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

विषय सूची

१. नाम संगीति

P.T.O.



२. बुद्ध गीत

३. मंगल स्तव

४. ब्रह्म हृदि हस्त

५. लोकनाथ स्तोत्र

६. बन्धुदत्त वज्राचार्य कृत नमो रारा स्तव

७. शारदा स्तव



बौद्ध स्तोत्र संग्रह

एहावल्लनवजिगसर्षधत्विर्लंकनं ॥ ३ ॥ देवमान  
न गुण उकि नम दायगो देवमानव जसुनिर्यक यमनलक  
किं ॥ ४ ॥ वरुण स्वयं कयि यथायं सखदिनसजानिकं गधर्षदा  
सपवास किहमिमीयधनवदिनं ॥ ५ ॥ द्वाविंशतं यूपसलकल  
॥ श्री ॥ वरुणननं केनं सिहकायसवाक्यनं धर्मकायसदावले ॥ ७ ॥

फराणीन्दरत्न वज्राचार्य







२॥ गालिगयम ॥ श्रीधर्मधारुवेहा जिनवय वदितायदयेकजं २॥ मा  
दादवयुन मादिन कामायनिम ३॥ १ ॥ नमस्तु २ यं वजिनमन धर्म  
वजमदासुनि २ अनजनयदमिनाय वायला श्रीविराजितुन ॥ २ ॥ वदुसु  
नमथा ३ सुनिवका धनिमदासुनी २ सिद्धमात्रुयमुनिवत साकदवुसदा  
दयं ३ ॥ यात्रादिमासुन वुवनिनसम दकिमात्रुयनायने २ खममसम

सुखध्यानधालिगदरुनाथमदासुनी ॥ ४ ॥ योमादिमासुन जलमंरुवदा  
दिदलाकसयानिना २ रुनगमात्रुयकारेनायरु जलमभिनखरिना ॥  
५ ॥ योमिमादिमासुनः नायमुनिवत जमिगयुन जिनवायिना २ मयुल  
सासनध्यानधारु ययनागमभियुन ॥ ६ ॥ उरुनदिमासुन जमायादि  
लासावुसनिमना २ गत्रुमासन जयमडा सबसल उधालिन ॥ ७ ॥



श्रीवत्सलसुखमयुद्धनीः वदद्युधुधायिर्न २ विस्वयायिगः अगननाधः मान  
सुनवाश्मं ॥ ८ ॥ अतिवशकमदावनः मानगिधुकाककि २ यापिजागड  
धुधवनः नागकसुनसंयुतं ॥ ९ ॥ नाकिमिहः कयुनकुं कुमः यदुननवि  
ययिता २ विविधियुधुः कमलडल्यलयसंयुतकयिता ॥ १० ॥ ६६ कजादि  
मलाकयालः सद्ययासुमनायमा २ दानिवचिददवयलाः यथागहनदिगताः

लिका ॥ ११ ॥ विनावंभामुदंगमयजाः अंखवायसमदना २ नं सायेगायिः  
आहु डवसिरियदाकिनं ॥ १२ ॥ वृषुनयितधुकाकिलनः युधुसुसुनिसि  
ला २ दवदनवयदकिलनः नागकवसुयजिनं ॥ १३ ॥ कायकाकविल्लनिः  
विषुन विषुजगनसयादनिन २ खगदुययगायवामलः यदुसुवमनालया ॥  
१४ ॥ नयादलरुमो कृवाकृवनिधिरिताधुनाकूको २ दानिरुनयआयु १५



॥ जिनवलसकरी, जंवलावकसल, मयी आवक्याली, सखवलस  
॥ हल, रुदय, नविद्या, लावनाय, पिरुवननमिन, खीलनी, हामना  
॥ ह्यासद्याथडीदि, विमलरासयस, संगलंयाओसल ॥ १ ॥ ह्यादं वा  
॥ यस्यानदमका वक्रय, कदसायीनाहा, नरुनडा, नियमनसथना  
॥ वकिनकाभरमा ॥ मक्राह, लकदुशनिदिनमयना, गथरुमि, जनालि ॥

खा ॥ १ ॥ संयसिनाकवदुगुनगनालिया, याधिविरुसविरु, वधयाव  
॥ वसिना, विदिनकालिसलाहयकानी, नवल्मासावदुयाडी, विदिनजिन  
॥ गुला, सार्वसलवकया, दुखा ॥ ३ ॥ ह्यावंदानगना, नल, जदि, कलि  
॥ ह्यानसंरायना, नमायीवीमानमाया, सकल, नरुजा, यितवनागिवका, मायवी  
॥ सामकिव, कयिगनियगला, या, ययावनाद, दुखा ॥ ४ ॥ मगा, अलिजोग



लीव रुद्रगङ्गावती स्वभयासावली वायादिवरुद्राः गङ्गीरुद्रम  
ना धर्मोऽथैवैव कियत्तान्नमजः श्रुतिदिनेकना स्वभयासावलिः ५  
॥ दुला ॥ ५ ॥ विनासा ल्यासगीना यथीनजिनवन सावपिध्रयवदा वगाने  
गंधवदा यदासिगवदना सागगी लायेगाना लक्ष्मिवदसावाथी सकनजनः  
दितासापथोदयवदा दुला ५ ॥ ६ ॥ वेसा ल्याधर्मयक यथीनजिनवनयव

मगृधकट आवर्थां प्रयिनिंव किमिगपनिदिना वाकनवाधिवृद्ध आसइवा  
वगाल गुनगनभिलया श्रीरुर्लक्ष्मयवक दुला ५ ॥ ७ ॥ रुद्रगङ्गावती  
ध्रुववनमिगं लावनामृद्धय वायादियुद्धं मनीवलवनन वदय  
भिक्षाणां वक्षणांयागिदासा सूनवनमिगं दास्यतासविनासा ॥ दुलासवीध  
श्रीद्वि विसलसमलसा मंगयंवाधिसल ॥ ८ ॥ निमंगनासवसमाका



नाम ललित ॥ गल दमि ॥ ५ ॥ वक्ता हलित हल मदन ॥ सय विदुः कि नय ना कसा ॥  
 ५ ॥ यम यति वदनं गगलिन आल धालिया ॥ ६ ॥ दिन वदन सिन व  
 ५ ॥ यणं २ वं ३ ॥ सीम निमदा वा वि द्दय निमल दया सागल ॥ निमं रुय वनं  
 ५ ॥ दिन वदन सिन वदन वनं ॥ ७ ॥ ज न कय विधायन करुटक नीशु  
 ५ ॥ ल श्रूय यानो ३ ॥ निधि यं ए क न मा य निजि ॥ न न नं ३ ॥ य ॥ १ ॥ अं य

यत्नयन्मासं दत्तं नित्यं ॥ १ ॥ काशयथानिमदं च नाय ॥ २ ॥ वृद्धं  
धन्यं ॥ ३ ॥ विविदिनं जनकं वांजनकाणां विविदिम ॥ ४ ॥ रिता ॥ स्वर्गस  
हि ध्यानाय न वयमि ॥ ५ ॥ रुद्रं रुद्रयं रुद्रयं काजल ॥ ६ ॥ द्वाविंशलक्ष्मणय  
खलं वृद्धं ॥ ७ ॥ वाययसाकना ॥ ८ ॥ अस्मत्तुष्टं नयविवदिनं दलदलप  
॥ ९ ॥ ॥ वसन्तं रुद्रयनया लवळलं माद्यकृष्णिथिसकमि ॥ १० ॥ वृद्धं



ना ३० ॥ आर्य बालदिनकलय ॥ ३ ॥ कामियात कनाभियंकज सयल  
२ सरुल्लगय २ वदगिपल आगिसल्लं सम अरि नायवययभरणं ॥ ३ ॥  
१ नमालाकना आय ॥ दाखनना अनिद ओगधमे यजिनयलवि सारविभ  
नारिगमारु विशरुसरु ॥ ओडिनययकलंयलमासि ॥ १ ॥ सारु  
रुमिसदाय नाकसअकनगणिदल्लानाक ॥ यामिनाक ॥ नयय ॥

ययकलंयलमासि ॥ ॥ अमवनाद गदरुसयय ॥ यामिनाक ॥ लोका  
समसं ॥ मार्गधसल्लविमायिनरुदं ॥ ओडि ॥ ३ ॥ दिंनवरु विगययिनरुनि  
नदयग इगोनिया ॥ अहिनसवकासि विओसं ॥ ओडि ॥ ४ ॥  
दोहिनसकयस ॥ लोकायिनलिलक लालरुसं ॥ सकि यदरुकायुगाद  
लोकायययस नमासि ॥ ॥ १ ॥ मगाकां नसोकाटना नकोद्यं ॥ सययका







माहावदुधनदुध... ननु धानिनि ॥ १० ॥ १५ ॥ इति नाथाय नमः ॥  
नियोगवदुधनयः यथा हगवामुदनेनार्थे सप्तसुदुधनयः ॥ ११ ॥ १६ ॥  
स्योदितं लानं यथासुयदिलगयन ॥ १२ ॥ १७ ॥ अथान्नान्नयः  
माहाय ॥ १३ ॥ १८ ॥ अथान्नयः ॥ १४ ॥ १९ ॥ अथान्नयः ॥ १५ ॥ २० ॥  
विक्रमं नमः ॥ १६ ॥ २१ ॥ अथान्नयः ॥ १७ ॥ २२ ॥ अथान्नयः ॥ १८ ॥ २३ ॥

वा इति नाथाय नमः ॥ १९ ॥ २४ ॥ अथान्नयः ॥ २० ॥ २५ ॥ अथान्नयः ॥ २१ ॥ २६ ॥  
अथान्नयः ॥ २२ ॥ २७ ॥ अथान्नयः ॥ २३ ॥ २८ ॥ अथान्नयः ॥ २४ ॥ २९ ॥  
अथान्नयः ॥ २५ ॥ ३० ॥ अथान्नयः ॥ २६ ॥ ३१ ॥ अथान्नयः ॥ २७ ॥ ३२ ॥  
अथान्नयः ॥ २८ ॥ ३३ ॥ अथान्नयः ॥ २९ ॥ ३४ ॥ अथान्नयः ॥ ३० ॥ ३५ ॥  
अथान्नयः ॥ ३१ ॥ ३६ ॥ अथान्नयः ॥ ३२ ॥ ३७ ॥ अथान्नयः ॥ ३३ ॥ ३८ ॥



[illegible]

॥ मायामन्त्राजानं सयुक्तामहयादया  
कृत्यादवर्गोमाथः सायनस्यगीसायन ॥ १ ॥ ज्ञानाच्छेदोद्धतने  
डाडोकायः स्थितादि। ह्यानसक्ति नरुवक्षाः वक्षानां लवकिनां ॥ २ ॥ उव  
अनीनुद्वय इयहा ह्यानसक्तिय। ह्यानकायवागीध्वन जनयवनायननसः  
॥ ३ ॥ भायजात्ताकिर्मविः कर्ममाथांनरा ॥ ४ ॥ नयथांनरा







धनायभीमसहाक्षाणिधनाधिनाः महाविषययाकसः॥ २ ॥ महाध्यानसमा  
दिस्तुः महायज्ञाभयोनधुकः॥ महावना महायाय युगिधिहानसागपः॥ १०  
॥ महासर्गोमयोमयोः महाकाय प्रकायभिः महायज्ञा महाधीमाः महायायसदा  
कृतिः॥ ११ ॥ महासद्विवनायना महावना महाऊव महाधिका महासाखा  
महावनयनाकासः॥ १२ ॥ महारुवादिमंरुता महावक्र धनायन महावनाम

मनायः महातय रुयंकनः॥ १३ ॥ महाविद्या रुमानाथाः महामया रुमाः  
महायान नयायुदाः महायान नयाकमः॥ १४ ॥ वक्रधातुमधुलंगः  
धो वक्रदशः॥ १५ ॥ महावेयावनावृष्टाः महामोनीमहासनीः महामकु न  
याकृताः महामकु नयात्मकः॥ १ ॥ दशयानमिनायाका दशयानमिनाययः  
दशयानमिनायुधि दशयानमिनाययः॥ २ ॥ दशरुमिध्वानाथाः दशरु



मियमिहिगदमहानविहृदात्मादमहानविहृदधृक् ॥ २ ॥ दमका  
नादमाथात्मासनीयदमवलाविरुहसज्जयविहृदार्थकयादमकायादमी  
॥ ३ ॥ मनादिनिययंकलाधृदात्माकथनात्मकः हनवादिर्था  
मायागोनयवाक् ॥ ४ ॥ मद्यथादायावादिवहनकाकिवावस्थित  
भीरुनीनादकनिदथमगारिकय ॥ ५ ॥ सचनलमाद्यमाकिः न

दिव्यनिवदयाः दिव्यसमृद्धिर्नर्तनं नयनयामिदं नयनकायमिदं नयनमिदं १५ ॥  
 यथाह नयनकृमयमहाकवयं ॥ ६ ॥ गङ्गा नयनं रयनाहमिति नयन  
 नयनवनवगमहासमद नयनयामिदं नयनमिदं १७ ॥ नयनं नयन  
 कं नयनयामिदं नयनमिदं १८ ॥ नयनं नयनयामिदं नयनमिदं १९ ॥ नयनं



नारुयं न वसनाः मिविस्किदः स्वः नाऊ स्यदधु रुयनाः रु सधोय रुने नद्याः  
विमागद नकं दजवालिदधुः गंयझयासि जरुयं वददं नमासि॥ १२ ॥ याः  
धिरुयस्वग धिसावसदा किलिना आयाकिवा धिरुय रुद्व विथोगदः स्वः विनाग  
हो शवद यायविना सयकिः गंयझयासि रुयना सवलं नमासि॥ २० ॥ शुकाः  
रुमिनिय सधसो जसाधयासं उरुका मिति नमिद्वियव रुवजु सधयलम

जिनसा वजसुखयायं गंयझयासि वजदायसदा नमासि॥ २१ ॥ निरुव  
मनम लसः साद्वगयायमः नानाइमं निलकवय कया पिजागः जग्या रुदाम  
धिजसा यदस्य विगानि गंयझयासि निलयस्वसदानमासि॥ २२ ॥ देवक  
वानवत्रनि रुमवद्विगसा गध्ववजु रुमनिदा नववद्विगसा र्यरु रुनागसं न  
ऊ वलमखपासि रुमियिजावग उ वलमकपासि॥ २३ ॥ र्ययधनरु



वक्रगः सुवनिहकालं ॥ किं वयुश्चिधनविद्धिसुप्रकाशा ॥ आयुर्विरु  
 विवद्वः कविसाजरागी ॥ ययानिकालं मयि यस्याकनार्थ ॥ २४ ॥  
 सो कलियानि रुवेविर्यमहानराव ॥ या शीदिवायनवना ॥ समनस्यनिक ॥ दसा  
 नविनरुययाय वेनासयनिक ॥ शुक्रनिदवसनननं वयाक्रीणि ॥ २५ ॥  
 निजीमरुशी ॥ आयोवलाकिनः ॥ अवरुका न कस्य ॥ शीवधदले वजावायक

न कनला सुवना गुं समाक ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ नमो मर्मनाथाय ॥ नेत्रा  
 दिदवगुं द्विगयादुर्ग ॥ दसासनिगिषयल ॥ रुमंगनाया ॥ कसु निवृं कसमवा  
 शगदहदह ॥ १ ॥ मशानदासकनसिद्धिगदानमामि ॥ २ ॥ दसानय  
 विमलयसिगवां नयूयी ॥ नयालमभुलवनरुक्रना नयूयी ॥ शीकाश्मिलं वल  
 वनस्यनयूयी ॥ ३ ॥ वेदाननदगुनसा ॥ वयकाशिनन ॥ वागीदवः



